Anand
DATE
PAGE NO. :

# ऑडियो रिकॉर्डिंग एवं कलाकार विवरण पत्र

फोल्डर नं० - 10
ट्रैक नं०- ZOOM0013. WAV
ट्रैक समयावधि:-
कलाकार का नाम:- रमजान खाँ पित- गफूर खाँ
पता:- गाँव बड़नावा -चारणान् तेह- पचपदरा जिला- बाड़मेर

सहायक कलाकार :-

विडियो रिकॉर्डिंग समय:-
विषय:- हरियाळुल (कथा)
विशेष विवरण:-

दिनांक :- 11/04/2021
स्थान :- बड़नावा चारणान् (लखे की ढाणी)
गायन / वादन

यह कथा "हरियाढूल" नाम से प्रचलित है वीर रस की यह कथा हरीशसिंह और जालमसिंह के बीच दोस्ती और दुशमनी दोनों पक्षों को उजागर किया गया है।

संक्षेप:-
कथा की शुरूआत में हरीशसिंह और जालमसिंह जंगल में मिलते है एक दूसरे को अफीम खिलाते है और धर्म के भाई बन जाते है तथा दोनो एक दूसरे को वचन देते है कि कोई भी काम पड़ने पर एक दूसरे का साथ देंगे। और हरीशसिंह हरियामाली चला जाता है और जालमसिंह अनासागर चला जाता है। कई दिनों के बाद हरीशसिंह चोरी करने के लिए पाटन के लिए निकलता है चलते-चलते रात हो जाती है और अनासागर पहुँच जाता है तो वह जालमसिंह के घर के पास जाकर आवाज लगाता -

हरियो तुझको हेला करे जालम सूतो जाग।
अनड पाहड़ो उपरया उठे लगाड़ो आग॥

जालमसिंह की औरत कहती है-

देवी री सेवा करे बैठा मिंदर मोय।
हरमल घोड़ो हाकदे में न अवो ऊठ॥

हरीशसिंह काई बार बुलाता है लेकिन जालमसिंह जाने से मना कर देता है और यह भी कहता है कि अगर आते समय इस रास्ते से निकलोगे तो जितना भी माल लेके आओगे उसमें से आधा हम ले लेंगे और हरीशसिंह को गुस्सा आ जाता है और कहता है -

हरिये शीश हिलावियो मुख पर मूछ मरोड़।
बेवले नो बतलावियो तो तुर्ग सो देसो तोड़॥

दोनो के बीच बहस हो जाती है और हरीशसिंह पाटण चला है

Anand
DATE :
PAGE NO. :

और वह से सात बीसी घोड़िया लेकर जैसे ही आनासागर पहुँचता है तो आलम सिंह उसके पास जाता है और आधी घड़िया मांगता है और दोनो के बीच झगड़ा हो जाता है और हरीशसिंह जालमसिंह पे वार करता है। तथा सिर धड़ से अलग कर देता है और अपने शहर चला जाता है।

जालमसिंह की मृत्यु के बाद उसकी पत्नी अपने मायके चली जाती है और वह गर्भ से होती है तो मायके जाने के बाद उसके लड़का जन्मता और उसका नाम आलमसिंह रखा जाता है और वह जब बड़ा होता है तो अपने पिता का वैर ले लेता है तथा हरीशसिंह की पुत्री से शादी करता है।